TEACHER'S HANDBOOK

हिंदी पाठमाला–8

उत्तर पुस्तिका

FRANKLIN

नई किरण हिन्दी पाठमाला-8

PART - 8

Ch-1(उठो धरा के अमर सपूतों)

1- (क)प्रस्तुत कविता में पक्षियों का संगीत वर्णित किया गया है, जो डाल-डाल पर बैठ कर कुछ नए स्वरों में गा रहे हैं।

(ख)प्रस्तुत कविता में कवि ने देशवासियों को संबोधित किया है।

(ग) प्रस्तुत कविता के रचयिता श्री द्वारिका प्रसाद माहेश्वरी जी है।

(घ) नवयुग की नूतन वीणा में कवि नया राग और नया गान भरने को कह रहा है।

2- (क) प्रस्तुत कविता में धरती माता की काया को नई और सुनहरी कहा जा रहा है।

(ख) प्रस्तुत कविता में कवि संसार रूपी बगीचों को नए मंगलमय ध्वनियों से गुंजित करने को कह रहा है।

(ग) सदियों की गुलामी के बाद हमारे देश को स्वतंत्रता मिली है। कवि चाहते हैं, कि देश के युवक स्वतंत्रता के बाद देश का नवनिर्माण करें। वे लोगों के जीवन में नया उत्साह भरें, उनमें नए प्राणों का संचार करें। युग-युग के मुरझाए हुए फूलों को नयी मुस्कान दें। अपनी मंगलमय वाणी से संसाररूपी उद्यान को गुंजित करें। वे तरह-तरह का ज्ञान प्राप्त कर देश का भविष्य उज्ज्वल बनाएँ। इस प्रकार, कवि धरा के सपूतो से अनेक अपेक्षाएँ रखते हैं।

(घ) प्रस्तुत कविता में कवि देशवासियों को संदेश देता है, कि अब देश स्वतंत्र हो चुका है। आपको ही इसका नवनिर्माण करना है। देशवासियों को ही नए प्राण फूंक में हैं। नए विकास के रास्ते खोजने हैं इस प्रकार कवि ने देश के सपूतों को संदेश दिया है, कि वह इस देश को नए युग में लेकर जाए और यही इस कविता का केंद्रीय भाव है।

3- (क)सभी से (ख) द्वारिका प्रसाद माहेश्वरी (ग) पुन:र्निर्माण की आवश्यकता

4- सपूतों मुस्कान स्वर राग

5- स्वर, स्फूर्ति, धरती, नवयुग

6- (क)युग युग के मुरझे सुमानों में, नई-नई मुस्कान भरो। उठो धरा के अमर सपूतो, पुनः नया निर्माण करो।

(ख)सरस्वती का पावन मंदिर, शुभ संपत्ति प्रभारी है। तुमसे हर बालक इसका, रक्षक और पुजारी है।

7- 1.उसने कड़ी मेहनत करके अत्यधिक संपत्ति अर्जित की है।

2.देवताओं के अफवाह के बाद पूजन प्रारंभ हुआ। 3.प्रातः फूलों पर भोरे मंडराते हैं।

4.दीपक की ज्योति कितनी प्रज्वलित हो रही है।

5.अत्यधिक कार्य करने के लिए शरीर में स्फूर्ति होनी चाहिए।

6.मैंने आज एक नूतन कार खरीदी।

7.12वीं पास करने के बाद में एक नई उमंग से कॉलेज में दाखिला लेने के लिए गया

8- Do it yourself 9.Do it yourself

10- (क) नूतन (ख) भक्त (ग) आशा (घ) उमंग (ड़) सुपुत्र

11- ज्ञान उद्यान स्फूर्ति निमार्ण

12- निस् + संकोच दुस् + शासन निः + फल पुनः+जन्म

13- नवागंतुक दर्शनीय यथाशक्ति अदृश्य

14- फूलों को देवों से उमंगों पर धाराओं के

15- Do it yourself 16. Do it yourself

Ch-2(पुस्तकालय)

1- (क) पुस्तकालय को तीन प्रकार से वर्गीकृत किया गया है।
निजी पुस्तकालय सार्वजनिक पुस्तकालय पुस्तकालय संस्थागत
(ख)मानव का पुस्तकों से बहुत गहरा संबंध है। पुस्तकें मानव सभ्यता का एक महत्वपूर्ण अंग हैं जो विचारों, ज्ञान, विवेक, उपलब्धियों, इतिहास और विभिन्न विषयों से जुड़ी जानकारी प्रदान करती हैं।
(ग) सार्वजनिक पुस्तकालय जानता कि संपत्ति है। इस पर जनता या सरकार का स्वामित्व होता है।
(घ) पुस्तकों के संग्रहण के स्थान को पुस्तकालय कहा गया है।
(ड़) पुस्तकालय की देखरेख के लिए दो व्यक्ति नियुक्त किए जाते हैं जिन्हें पुस्तकालय अध्यक्ष कहां जाता है तथा सहायता के लिए एक या दो कर्मचारी भी नियुक्त किए जाते हैं जो पुस्तकों को निकाल कर देने में तथा सही स्थान पर वापस रखने में सहयोग करते हैं।

2- (क) पुस्तकालय में पुस्तकों का संग्रह सही तरीके से रैक में सुरक्षित करके किया जाता है। उन सारी पुस्तकों की विषय के अनुसार ही सूचियां बनाई जाती है और उन्हें किसी रजिस्टर में दर्ज किया जाता है। उस रजिस्टर से ही पता चलता है, कि कौन सी पुस्तक किस रैक में किस नंबर पर रखी है।
(ख) पुस्तकालय से सबसे बड़ा लाभ यह है कि वे व्यक्ति या वे छात्र जो महंगी पुस्तके नहीं खरीद सकते हैं या संग्रह करने में असमर्थ है, पुस्तकालय से पुस्तक लेकर अपनी पढ़ाई कर सकते हैं।
(ग) द्वितीय श्रेणी के पुस्तकालय सार्वजनिक पुस्तकालय होते हैं। यह आम जनता या सरकार के स्वामित्व में रहते हैं तथा तृतीय प्रकार का पुस्तकालय संस्थागत या वर्ग विशेष के लिए होता है।
(घ) निजी पुस्तकालय व्यक्ति की निजी संपत्ति होती है। इसमें कोई भी व्यक्ति जिसकी जिसमें रूचि होती है, उसी अनुसार पुस्तकों का संग्रह करता है।

3- (क)पुस्तक रखने का स्थान (ख)व्यक्ति विशेष का (ग)पुस्तकालय में (घ)ज्ञान को

4- (क)पुस्तकालय (ख)मित्र (ग) तीन (घ)रोकटोक (ड़) संपत्ति

6- Do it yourself

7- अपरिग्रह अरुचि बर्खास्त वितरित शत्रु निजी
सस्ती असमर्थ

8- तुम मुझे खून दो, मैं तुम्हें आज़ादी दूंगा। वह कितना सुंदर दृश्य है।
स्वस्थ व्यक्ति रक्तदान कर सकता है। मानव शरीर में रक्त कणों का क्या काम है?
'बीजक' कबीरदास के द्वारा रचित ग्रंथ है।

9- (क)काम करने वाला, कार्यकर्ता, कामगार (ख) एकदम अत्यधिक अत्यंत
(ग) संस्थान, एसोसिएशन, अधिष्ठान (घ) तहजीब, सभ्यता, संस्कार
(ड़) रोष, क्रोध, गुस्सा

10- Do it yourself 11.Do it yourself 12.Do it yourself 13.Do it yourself+

Ch-3(विमुद्रीकरण)

1- (क) काला धन नकदी के रूप में छुपा कर रखा जाता है।
(ख) प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी ने 8 नवंबर 2016 को नोटबंदी की घोषणा की थी।
(ग) पुराने नोट बैंकों से बदलवाएं जा सकते हैं।
(घ)बाजार में काले धन के प्रसार को रोकने के लिए, बाजार से नकली नोट हटाने के लिए, महंगाई वह आतंकवादी गतिविधियों पर नियंत्रण आज के लिए विमुद्रीकरण का उपयोग किया जाता है।

2- (क)विमुद्रीकरण करने का उद्देश्य काला धन रखने वालों को सबक सिखाना और नशे के कारोबार तस्करी आतंकवाद और उग्रवाद की गतिविधियों के लिए अवैध लेनदेन इत्यादि को समाप्त करना था।

(ख) विपक्षी दल पूरी एकजुटता से सरकार के निर्णय को व सफल व देश को पीछे ले जाने वाला सिद्ध करने में लग गए।

(ग) मुद्रीकरण के दौरान सभी लोगों में भाईचारा देखने को मिला अपने गरीब दोस्त याद आ गए अमीर रिश्तेदारों को अपने गरीब रिश्तेदारों के महत्व का एहसास होने लगा था।

(घ) नोटबंदी की वजह से पुराने जमाने की सफल वाटर पद्धति फिर से कारगर सिद्ध हो गई थी।

3- सभी को, केवल पहला और दूसरा, दोनों

4- पद्धति, परिणाम, सकल, कारोबार

5- Do it yourself 6.Do it yourself 7.Do it yourself

8- प्रधानमंत्री भाषण देते हैं। उसने सारी उम्मीद पर पानी फेर दिया।
सभी लोगों ने मानवता दिखाई। बैंकों के बाहर भगदड़ की स्थिति हो गई।

9- वे भ्रष्टाचार के प्रबल विरोधी थे। भारत देश अनेकता में एकता का देश है।
गांव में सभी सरकारी सुविधाए मुहैया कराई गई हैं।

10- (क)अमीर, गरीब, बूढ़ा, जवान, महिलाएं सभी ने नोटबंदी की तारीफ की।

(ख)विपक्षी दलों ने मोर्चे में प्रदर्शन कर रोष प्रकट किया।

(ग)जितना चाहे पेट भर खाओ।

(घ)लोग कहने लगे भाई वह! तुम तो उस्ताद हो।

11- (क)पुराने अनुभवी लोगों से आजकल की नई युवा पीढ़ी क्या मुकाबला करेगी? नया नौ दिन पुराना सौ दिन।

(ख) देखो भाई मेरा तो साफ-साफ मतलब है नौ नगद न तेरह उधार तुम्हें कोई सामान खरीदना हो तो खरीद लो वरना कोई बात नहीं।

(ग) कंपनी में भले ही कितनी ही नौकरियां क्यों न निकले नियुक्ति उसी की होगी जिसकी सिफारिश होगी क्योंकि जिसकी लाठी उसकी भैंस।

(घ) रात दिन एक कर के भी वह उतना नहीं कमा पाता के घर चला सके नतीजा वही ढाक के तीन पात ही रहते हैं।

12- 12.Do it yourself 13.Do it yourself 14.Do it yourself

Ch-4(तीर्थयात्रा)

1- (क) लाजवंती का अपने पुत्र हेमराज के प्रति अधिक लगाव था।

(ख) लाजवंती ने अपने पुत्र के ठीक होने के लिए तीर्थयात्रा की मनौती मानी थी।

(ग) हरो को अपनी कुंवारी बेटी का दु:ख खाएं जा रहा था इसीलिए वह रो रही थी।

(घ) लोग वैद्य जी को लुकमान इसलिए कहते थे क्योंकि सैकड़ों रोगी उनके हाथों स्वस्थ हुए थे और आसपास के बारे में उनका बड़ा नाम था।

2- (क)तीर्थयात्रा पर जाने से पूर्व लाजवंती को पता चला कि उसकी पड़ोसन हरो के पास बेटी के ब्याह के लिए पैसे नहीं हैं। उसने तीर्थयात्रा के लिए जमा पैसे हरो को दे दिए। यही कारण था कि वह तीर्थयात्रा पर नहीं जा सकी।

(ख)लाजवंती की व्याकुलता का कारण यह था कि लाजवंती की पड़ोसन हरो बिना कोई बात बताएं रोएं ही जा रही थी। कई बार पूछने पर भी वह अपनी बात नहीं बता रही थी।

(ग) लाजवंती की पड़ोसन अपनी वास्तविक अवस्था को छुपा रही थी क्योंकि वह गरीब थी और उसे अंदर ही अंदर अपनी बेटी के ब्याह की चिंता खाए जा रही थी।

(घ) लाजवंती ने हरो की बेटी के ब्याह को लेकर उसकी आर्थिक मदद करके उसके दुख को ग्रहण किया।

3- अठन्नी, इक्कीस दिन की, दो सौ

4- (क)हरो की चुप्पी लाजवंती की व्याकुलता का कारण बनी हुई थी।
(ख) मैंने अपना अंतिम गृह कार्य भी खत्म कर लिया।
(ग)कल रात मैंने एक स्वप्न देखा।
(घ) हर माता-पिता की अपने पुत्र से अपेक्षा रहती है, कि वह अपने जीवन में सफल रहे।

5- Do it yourself 6.Do it yourself 7.Do it yourself

8- स्त्रीलिंग स्त्रीलिंग पुल्लिंग पुल्लिंग पुल्लिंग पुल्लिंग
पुल्लिंग स्त्रीलिंग स्त्रीलिंग पुल्लिंग पुल्लिंग स्त्रीलिंग

9- ईमानदार प्यासा जोशीला नागरिक ठंडा चिंतित
नियमित कंटीला

10- (क) अतिप्रिय होना- आज हर किसी के जीवन में कोई न कोई आंखों का तारा अवश्य होता है।
(ख) इकलौता बेटा- वह लड़का उस अंधेरे घर का उजाला था।
(ग) धैर्य प्रदान करना- आपत्ती के समय माता-पिता ही आंसू पोंछते करें।
(घ) अपना कर्तव्य पूरा करना- रमेश अपनी बेटी का शादी करके गंगा नहा लिए।

11- कर्म कारक संबोधन कारक कर्ता कारक, कर्म कारक
कर्ता कारक, कर्म कारक

12- दयानंद सदैव नायिका परोपकार

13- Do it yourself 14. Do it yourself 15.Do it yourself

Ch-5(जग जीवन में जो चिर महान (कविता))

1- (क) कवि सभी मानवों की मदद करना चाहते हैं। उन्हें उस दिशा में ले जाना चाहते हैं जो उनके जीवन में सफलता और खुशी लाएगी।
(ख) कवि प्रेम प्रभा के अनुरूप चलना चाहते है।
(ग) इस कविता में कवि मानव को एक उच्च स्तर पर ले जाना चाहता है जहां उसे सभी भेद-भावों को खत्म करके प्रेम की प्रभा को समझा जा सकता है। उसे यह प्रकाश दिखाना चाहता है जिसमें वह अपने जीवन के माध्यम से अखिल व्यक्ति में प्रभु के प्रेम का सन्देश फैला सकता है।
(घ) इस कविता में मुख्य केंद्र मानव जीवन के समृद्धिकरण एवं समस्त मानवता के समृद्ध होने की कल्पना है।

2- (क)इस कविता में कवि मानव के उद्देश्य को प्राप्त करने के लिए सत्य, प्रेम और सौंदर्य के प्रति अपनी आकांक्षा व्यक्त करता है।
(ख)इस कविता में कवि ने सदा महान रहने की कामना व्यक्त की है। वे एक ऐसे प्रकाश की खोज कर रहे हैं, जो समस्त अज्ञानता, भय और संशय को दूर कर सके और मानवता के हित में उपयोगी हो सके।
(ग) कवि का उद्देश्य मानव के हित में समर्पित है और वह उनके हितों की रक्षा करना चाहता है। वह सभी मानवों को प्रेम और सत्य के मार्ग पर ले जाना चाहता है।
(घ)कवि नए जीवन के लिए स्वतंत्रता, शक्ति, समता और शांति की तलाश में हैं। वे मानव के उद्देश्य की खोज में एक नया सवेरा चाहते हैं, जहां सभी मानव अपने संवैधानिक और मानवीय अधिकारों का उपयोग करते हुए अपने जीवन को एक नई दिशा दे सकें।

3- (क)जिससे जीवन में मिले शक्ति, झूठे भय संशय अंधभक्ति
मैं वह प्रकाश बन सकूं, नाथ! मिल जावे जिसमें अखिल व्यक्ति।
(ख) दिशि दिशि में प्रेम-प्रभा-प्रसार हर भेद-भाव का अंधकार,
मैं खोल सकूं चिर मूंदे, नाथ! मानव के उर के स्वर्ग-द्वार!

4- सत्य प्राण मानव नए सवेरों सदा महान रहने वाला

5- (क)✓ (ख)✓ (ग)× (घ)✓ (ड़)✓

6- Do it yourself

7- (क)प्रभात (ख) पूरा (ग) सहायता (घ) आतंक (ड़) विकास
(च) अंधेरा (छ) नया (ज) आशंका

8- नि:+चेष्टा उत्+लास अति+अचार मत+ऐक्य दुर+दशा

9- व्यक्तियों दिशाओं प्रेमियों शक्तियां मानवों हितों

10- (क)राधा का सौंदर्य वर्णन करने योग्य था।
(ख)इस जग में अच्छे और बुरे सभी तरह के लोग पाए जाते हैं।
(ग)'आगे नाथ न पीछे पगहा' यह कहावत भैया तुम पर पूरी तरीके से जंचती है।
(घ)मुझे है कि संशय है कि वह झूठ बोल रहा है।
(ड़)सब आशाएं अभिलाषाएं, उर और कारागृह में बंद हो गई है।

11- (क)जो सदा सत्य बोलते हैं, कभी नहीं डरते हैं।- संयुक्त वाक्य
(ख)क्या तुम खेलने चलोगे?- साधारण वाक्य
(ग)बाप रे! कैसा था वह आंधी-पानी का तूफान। - संयुक्त वाक्य
(घ)दादी मां संदूक से कंगन निकाल लाई।- साधारण वाक्य
(ड़)हो सकता है, वह मेरे पास आए।- मिश्र वाक्य

12- (क)व्याख्या -
कवि ईश्वर से प्रार्थना करते हुए कहता है कि हे प्रभु! मैं उसका प्रेमी बनूं, जो समान रूप में मनुष्यमात्र को कल्याण करने वाला हो, संसाररूपी जीवन में जो दीर्घकाल तक रहने वाला हो, श्रेष्ठ सौंदर्य से परिपूर्ण और हृदय में सत्य धारण करने वाला हो। जिन गुणों से मनुष्य मात्र का हित भला होता हो मेरा उन्हीं के प्रति प्रेम बने भाव यह है, कि दुर्गुणों और मनुष्य का अहित करने वाली सभी चीजों से मैं बचा रहा हूं।

(ग) व्याख्या-
प्रस्तुत पंक्तियों में कभी कहते हैं, कि सभी दिशाओं में प्रेम का प्रचार प्रसार करने के लिए आगे आना होगा। हर प्रकार का भेदभाव जो कि अंधकार की तरह है, उन्हें दूर करने के लिए ज्ञान का प्रकाश फैलाना होगा। मनुष्य की आंखें जो स्वार्थवश अभी बंद है उन्हें खोलना होगा जब ज्ञान का प्रकाश आएगा, तो मनुष्य के हृदय के सभी द्वार खुल जाएंगे। इस प्रकार सभी मानवों में समानता आएगी।

13- Do it yourself. 14. Do it yourself. 15. Do it yourself.

Ch-6(शल्य-चिकित्सा के जनक-सुश्रुत (कहानी))

1- (क) आचार्य सुश्रुत को शल्य चिकित्सा में प्रवीणता हासिल थी।
(ख) चिकित्सा शास्त्री दिवोदास को भगवान धनवंतरी का रूप कहा गया और महर्षि सुश्रुत स्वयं दिवोदास के शिष्य थे। उन्होंने दिवोदास की देखरेख में चिकित्सा विज्ञान की शिक्षा ग्रहण की।
(ग) सुश्रुत संहिता में शल्य यंत्रों की संख्या 101 बताई गई है।
(घ) ऑपरेशन के बाद कोई कष्ट न होने पाए इसके लिए भी उपाय लिखे हैं। जैसे कि कैसा आहार देना चाहिए, घाव भर जाने के लिए कौन-कौन सी औषधियां देनी चाहिए आदि।
(ड़) चिकित्सा काल को स्वर्णिम युग इसलिए कहा जाता है ,क्योंकि इसी समय सुश्रुत, मात्रेय जीवक, चरक और वागभट्ट जैसे यशस्वी चिकित्सा स्वास्थ्य में उनका जन्म हुआ यह सभी शल्य चिकित्सा के महान विचारक थे। इन्होंने असाध्य रोगों को सफलतापूर्वक ठीक कर दिखाया।

2- (क) प्रस्तुत पाठ में वाराणसी के महत्व को बताया गया है कि किस प्रकार वाराणसी का सैकड़ों वर्ष पुराना वैभवशाली इतिहास रहा है।
600 से 1000 के बीच में यह चिकित्सा विज्ञान के लिए स्वर्णिम युग रहा है। जिस समय शल्य चिकित्सा के साथ-साथ क्षय रोग, कुष्ठ रोग, मधुमेह, हृदय रोग आदि के बारे में भी महत्वपूर्ण जानकारी उपलब्ध रही है।
(ख) प्राचीन भारत के समय वाराणसी शिक्षा के लिए एक प्रसिद्ध जगह हुआ करती थी। वाराणसी सहस्त्र वर्षों से एक बड़ा शिक्षा का केंद्र बना हुआ है।

(ग) सुश्रुत द्वारा खोजी गई शायरी यंत्रों की संख्या 101 है। इन यंत्रों को हिंसक पशु तथा पक्षियों के मुंह के आकार के अनुसार नाम दिए गए हैं; जैसे सिंहमुख, गृधमुख यह यंत्र आधुनिक शल्य यंत्रों में से किसी भी तरह कम न थे। इनके साथ ही 20 और शल्य यंत्रों भी वर्णित हैं उनके नाम हैं- मुद्रिका ब्रहिमुख, करपत्र, मंडलाग्र पत्र आदि।

(घ)सुश्रुतसंहिता में मोतियाबिंद के ओपरेशन करने की विधि को विस्तार से बताया गया है। उन्हें शल्य क्रिया द्वारा प्रसव कराने का भी ज्ञान था। सुश्रुत को टूटी हुई हड्डियों का पता लगाने और उनको जोडने में विशेषज्ञता प्राप्त थी। शल्य क्रिया के दौरान होने वाले दर्द को कम करने के लिए वे मद्यपान या विशेष औषधियां देते थे।

3- (क)शल्य क्रिया (ख) सुश्रुत (ग) सुश्रुत- संहिता (घ) शल्य (ड़) प्राचीन भारतीय

4- शल्य क्रिया दिवोदास 120 ब्रुश वाराणसी

5- (क) ✓ (ख) ✓ (ग)× (घ)× (ड़) ✓

6- चिकित्सा शास्त्री गंगातट के समीप शल्य चिकित्सा वाराणसी

7- Do it yourself

8- (क)बुश ऊतकों को शरीर से अलग किया जाता है, जो झाड़ियों और लताओं से बने होते हैं।
(ख)हर महत्वपूर्णबहुत सी जड़ी बूटियों की खोज आचार्य सुश्रुत ने की थी।
(ग)पहलू पर विस्तृत जानकारी सुश्रुत द्वारा दी गई है।

9- आयु:+वेद चिकित्सा + अक् विश्व+अमित्र परिपक्व+ ता महत्व + पूर्ण

10- (क)भागीरथी, जाह्नवी गंगा का जल अमृत समान है।
(ख) वाराणसी, तीर्थ स्थान वाराणसी शिक्षा का पुरातन स्थल है।
(ग) तट, हाशिया गंगा किनारे की आरती का नजारा अद्भुत होता है।

11- हकीम, उपचारक, वैद्य प्रभु, परमेश्वर, भगवान शक्ति, ऐश्वर्य, महत्ता
घातक, मारने वाला, कष्ट पहुंचाने वाला घटना, वाक्या, वारदात

12- Do it yourself 13. Do it yourself 14. Do it yourself 15. Do it yourself
16. Do it yourself

Ch-7(डॉ.ए.पी.जे अब्दुल कलाम (साक्षात्कार))

1- (क)डॉ.ए.पी.जे अब्दुल कलाम का जन्म रामेश्वरम (तमिलनाडु) के एक अल्प शिक्षित परिवार में सन 1931 में हुआ था।
(ख) IGMDP के अंतर्गत 5 प्रक्षेपास्त्रों को विकसित करने का विचार किया गया।
(ग) परमाणु शक्ति का प्रयोग ऊर्जा उत्पादन और उत्तम कृषि के बीच प्रदीप हेतु भी किया जा सकता है।
(घ) डॉक्टर कलाम को विज्ञान के अलावा संगीत विषय में रुचि थी।

2- (क) सूचना एवं संचार तकनीकी से तात्पर्य उस सूचना सम्प्रेषण तकनीकी से है जिसके माध्यम से सम्प्रेषण कार्य अत्यधिक प्रभावी ढंग से समपन्न किया जाता है। इसका संबंध वैज्ञानिक तकनीकी के ऐसे संसाधनो व साधनों से होता है, जिसके माध्यम से त्वरित गति से सूचनाओं का प्रभावी आदान-प्रदान होता है।
(ख) श्रीनिवास रामानुजन अंकगणित सिद्धांतों के जन्मदाता है।
(ग) डॉ कलाम ने भावी कर्णधारों के लिए संदेश दिया कि; किसी भी युवक को भविष्य से घबराने की आवश्यकता नहीं है। उन्हें बस अपना लक्ष्य निर्धारित करना है। समय बहुत मूल्यवान है, तो सदाचारी बने। आप विश्वास रखें हर समस्या का सामना करने की क्षमता होनी चाहिए। ऐसा करके आप अपने लक्ष्य को प्राप्त कर सकते हैं।
(घ) परमाणु शक्ति का प्रयोग ऊर्जा उत्पादन और उत्तम कृषि के बीच प्रदीपन हेतु भी हो सकता है।

3- दृष्टि, उद्देश्य, सैद्धांतिक, रुझान

4- नाग अग्नि पृथ्वी त्रिशुल

5- पंख समुद्र तट पर तमिलनाडु

6- (क) ✓ (ख) ✓ (ग)× (घ) ✓

7- (क)आत्मविश्वास के बल पर हर मुसीबत का सामना किया जा सकता है।
(ख)हमें अपने जीवन में सदाचार का पालन करना चाहिए।
(ग)समय बहुत मूल्यवान है।
उन्होंने तर्क दिया के कलाओं के महान सामाजिक उपयोगिता है।
हमारे जीवन में एकमात्र उद्देश्य शिक्षा ग्रहण करना सर्वोपरि होना चाहिए।

8- डॉक्टर ए. पी. जे. अब्दुल कलाम भारत के पूर्व राष्ट्रपति और एक महान वैज्ञानिक थे।
उनका जन्म 15 अक्टूबर, 1931 को तमिलनाडु के रामेश्वरम में हुआ था।
उन्होंने भारत के मिसाइल विकास कार्यक्रम में एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाई थी।
डॉक्टर कलाम ने राष्ट्रपति के रूप में भी काफी समय सेवा की थी। उन्हें 2002 से 2007 तक भारत के राष्ट्रपति के रूप में चुना गया था।
उन्होंने विश्व के कई देशों में भी अपने विचारों को साझा किया और उनसे सीखा।
उनकी मृत्यु 27 जुलाई, 2015 को हुई थी। उन्होंने जीवनभर विज्ञान और तकनीक के क्षेत्र में लोगों को प्रेरणा दी।
उन्हें "मिसाइल मैन" और "पीपल्स प्रेसिडेंट" जैसे नामों से भी जाना जाता है।
उन्होंने भारत के युवाओं को जीवन में सफलता पाने के लिए अपने विचारों और अनुभवों को हमेशा साझा किया।
उन्होंने जीवन भर देश सेवा की और अपनी भूमिका को केवल एक सेवक की तरह देखा।
उनकी सोच और आदर्शों से देश के हर नागरिक को अधिक से अधिक प्रेरणा मिली है।
उनके समर्थन और प्रचार के फलस्वरूप, भारत एक तकनीकी और विज्ञान प्रगति के मामले में दुनिया के अग्रणी राष्ट्रों में से एक बना है।
डॉक्टर ए. पी. जे. अब्दुल कलाम की मृत्यु 27 जुलाई, 2015 को हुई थी।

9- Do it yourself 10. Do it yourself

11- मूल्यवान, ऐतिहासिक, आविष्कारी, राष्ट्रीय

12- अंबर, नभ, गगन
धरती, भू, धरा
तीन मुखी हथियार, भारतीय मिसाइल, त्रिशूल हिमालय की चोटी
पंछी, खग, विहग

13- सम्बन्ध, सम् गीत, शृङ्गार, स्वतन्त्र

14- स्वदेश, स्वार्थी, स्वाति त्याग ,सत्य ,सत्यनारायण ध्येय, ध्यान, अध्यापक
विद्या, विद्यालय विद्यावती

15- उच्चतम, उद्देश्यपूर्ण, कठिनतम, महत्वपूर्ण

16- Do it yourself 17.Do it yourself 18- Do it yourself 19.Do it yourself

Ch-8(भीष्म)

1- (क) संसार में उसी को महान माना गया है जिसमें दूसरों के लिए अपने स्वार्थ का बलिदान किया है।
(ख) शांतनु में वैवाहिक संबंध जोड़ने के लिए सत्यवती के प्रकार से आग्रह किया।
(ग) राजा शांतनु के राज सिंहासन पर उनकी मृत्यु के बाद उनके बड़े बेटे सिंहासन पर बैठे। उनकी आकस्मिक मृत्यु हो गई उसके बाद उनके छोटे बेटे को सिंहासन पर बैठाया गया।
(घ) अपनी मृत्यु के नजदीक आने के लिए कृष्ण ने सूर्य के उत्तरायण आने का इंतजार किया।
(ड़) भीष्म के नजदीक आकर युधिष्ठिर ने अपने भाइयों की ओर से उनसे क्षमा मांगी।

2- (क) सत्यवती के पुत्र हैं सुबह के संबंध में दो शब्द रखें की राजा की मृत्यु के पश्चात सत्यवती का पुत्र की गद्दी पर बैठेगा तथा दूसरी भीष्म कभी विवाह नहीं करेंगे ताकि उनकी आने वाली संतान सिंहासन की उत्तराधिकारी न बनें।

(ख)भीष्म पितामह के जीवन के कई महत्वपूर्ण घटनाएं उनके दृढ़ निश्चय को दर्शाती हैं। उनमें से कुछ उनके प्रण लेने के समय के संबंध में थे, जैसे कि उन्होंने अपनी कभी विवाह न करने और राज गद्दी का त्याग जैसी प्रतिज्ञाओ को नहीं छोड़ा। उन्होंने श्रीकृष्ण की बात मानी और महाभारत की युद्ध के दौरान कौरव की तरफ से लड़े। इन सभी घटनाओं से भीष्म एक दृढ़ निश्चय का प्रतीक हैं ज्ञात होता है।

(ग) मल्लाह अपनी पुत्री सत्यवती का विवाह शांतनु से नहीं कर रहा था क्योंकि उसे डर था कि भीष्म की शादी होने के बाद उसके आने वाली संतान राजगद्दी के उत्तराधिकारी बनेगी उसे विश्वास दिलाने के लिए भीष्म को मल्लाह के समक्ष यह कठिन प्रतिज्ञा लेनी पड़ी।

(घ) रणभूमि में भीष्म ने बाणों का प्रहार आरंभ कर दिया था। उनके बाणों के प्रभाव से पांडवों की सेना का ऐसा संहार होने लगा कि श्री कृष्ण को विवश होकर चक्र उठाना पड़ा और इस तरह भीष्म ने श्रीकृष्ण को शस्त्र उठाने पर उत्तेजित कर दिया।

(ड़) वे महाभारत के महत्वपूर्ण चरित्रों में से एक थे।

भीष्म पितामह अपनी निष्ठा, समर्पण, विवेक, तपस्या और श्रद्धा के लिए महान हुए। भीष्म एक दृढ़ निश्चय का प्रतीक हैं उन्होंने अपनी भीष्म प्रतीज्ञा को अंतिम समय तक निभाया।

3- हस्तिनापुर, अर्जुन के बाण, कृष्ण का, भीष्म, श्रद्धा से युक्त

4- अनावश्यक, खोया हुआ गौरव प्राप्त हो जाए, सुखपूर्वक, भीष्म प्रतीज्ञा, चेष्टा

5- Do it yourself

6- गुणवाचक, भाववाचक, जातिवचक

7- निस्वार्थ, अस्वीकार, अजन्मा, अनादर, अविश्वास, घृणा

8- (क)मैं एक शर्त पर अपनी कन्या का विवाह कर सकता हूं।

(ख)भीष्म के जन्म के कुछ ही दिनों बाद गंगा राजा शांतनु को छोड़कर गंगा में समा गई थी।

(ग) मल्लाह ने अपनी कन्या का विवाह शांतनु से कर दिया।

9- पुल्लिंग, पुल्लिंग, स्त्रीलिंग, पुल्लिंग, पुल्लिंग, स्त्रीलिंग

10- हस्तिना +पुर, सत्य+ वती, उत्तर+ अधिकारी, यदि + अपि

11- Do it yourself 12- Do it yourself 13- Do it yourself

Ch-9(कृतयुगी विनोबा (जीवनी))

1- (क) महात्मा गांधी जी ने विनोबा को सन 1918 में उद्गार विभूति से विभूषित किया।

(ख) वे एक स्वस्थ जीवन जीने की महत्वपूर्णता को समझते थे और इसके लिए व्यायाम की बड़ी महत्वता देते थे। वे समझते थे कि व्यायाम न केवल शारीरिक रूप से स्वस्थ रखता है, बल्कि मानसिक रूप से भी मजबूत बनाता है। उन्होंने अपने जीवन के अधिकांश समय में सुबह उठकर व्यायाम किया। उन्होंने अपने समर्थकों और अनुयायियों को भी व्यायाम करने की सलाह दी थी।

(ग) विनोबा जी का जन्म 11 सितंबर 1895 में महाराष्ट्र के गगोदा नामक ग्राम में हुआ था।

(घ) तेलंगाना की यात्रा के लिए विनोबाजी ने सन् 1951 में रुख किया।

(ड़) विनोबा जी ने लोकशक्ति के उदय के मार्ग का अनुसरण किया।

2- (क)विनोबा जी पाठ्यपुस्तकों के साथ आध्यात्मिक पुस्तकों के पढ़ने में भी रुचि लेते थे।

(ख) आश्रम के निवासी के रूप में विनोबा जी ने अपना अधिकांश समय उपनिषदों, वेदांत आदि का अध्ययन करने तथा स्वास्थ्य सुधारने हेतु व्यायाम जैसी क्रियाओं में लगाया।

(ग)10 अप्रैल 1951 के दिन, आचार्य विनोबा भावे को जमीन का पहला दान मिला था। उन्हें यह जमीन तेलंगाना क्षेत्र में स्थित पोचमपल्ली गांव में दान में मिली थी। ये विनोबा के भूदान आंदोलन की शुरुआत थी।

(घ) विनोबा जी ने हृदय परिवर्तन की शक्ति अर्थात प्रेम की शक्ति को के द्वारा देश को एक सूत्र में बांधने का प्रयास किया। उनका मानना है कि यह अनेकता में एकता स्थापित कर सकती है तथा दलों को मिला सकती हैं।

(ड़) गांधी जी आचार्य विनोबा को अपने आदर्शों और दृष्टिकोण के लिए बहुत उच्च मानते थे। उन्होंने आचार्य विनोबा को एक सच्चे स्वतंत्रता संग्रामी और सामाजिक सुधारक के रूप में जाना था। महात्मा गांधी ने आचार्य विनोबा भावे के प्रति अपना गहरा सम्मान व्यक्त किया था और उन्हें एक अत्यंत विचारशील व्यक्ति और एक अद्भुत दार्शनिक के रूप में समझा था।

3- ब्रह्मचर्य, नारायण शास्त्री, देशभक्ति और वैराग्य, 10 अप्रैल, कानून
4- महाराष्ट्र, हृदय परिवर्तन, 15 नवंबर , शिवराम पल्ली, 1913

5- (क) ✓ (ख) × (ग) × (घ) × (ड़) ✓
6- Do it yourself
7- (क)हमें हमेशा अपने समय के साथ समन्वय स्थापित करना चाहिए।
(ख)आध्यात्मिक किताबों का अध्ययन करने से बुद्धि की वृद्धि होती है।
(ग)सब जीवो को मोक्षमार्ग का निस्पृह हो उपदेश दिया।
(घ)उसने अपने समय का निष्पात नहीं किया, इसलिए उसे परीक्षा में सफलता नहीं मिली।
(ड़) प्रस्तुत पाठ में विनोबा भावे के चरित्र और उनके जीवन का विस्तृत वर्णन किया गया।
8- कौन सा- प्रश्नवाचक, मुझे- पुरुषवाचक वह- निश्चयवाचक
मेरे- तुमने पुरुषवाचक मैं- पुरुषवाचक उनसे-पुरुषवाचक
9- उपसर्ग-आ मुलशब्द- चरण उपसर्ग सम् मूलशब्द गति
उपसर्ग कु मूलशब्द मार्ग उपसर्ग सम् मूलशब्द कल्प
10- मुस्कुराहट हंसी मिलावट कमाई माँग बचाना
11- Do it yourself 12. Do it yourself 13. Do it yourself 14. Do it yourself
15- Do it yourself

Ch-10(भिक्षुक (कविता))

1- (क) भिक्षुक द्वारे द्वारे भिक्षा मांगता है।
(ख) इस कविता में कवि ने एक भिक्षुक की दुःखद दशा का वर्णन किया है।
(ग) कवि ने भिक्षुक को अपनी कविता का पात्र बनाया है।
(घ) यह कविता सूर्यकांत त्रिपाठी निराला द्वारा रचित है।
2- इस कविता के माध्यम से, कवि ने भिक्षुक के जीवन को समझाने की कोशिश की है कि गरीबी एक ऐसी समस्या है, जो समाज के बड़े हिस्से को प्रभावित करती है। हमें समझाना चाहिए कि ऐसे लोगों की मदद करना अपना कर्तव्य है। इसलिए, कवि ने भिक्षुक को अपनी कविता का पात्र बनाया है, ताकि हम सभी उन लोगों के साथ संवेदनशील हो सकें जो समाज के अत्यंत गरीब लोगों की मदद करते हैं।
(ख) प्रस्तुत कविता में बच्चे अपनी भूख मिटाने के लिए अपनी पुरानी झोली को लोगों के सामने फैलाते हैं और उनसे दया दृष्टि की भावना की उम्मीद रखते हैं।
(घ)प्रस्तुत कविता में बच्चों की स्थिति दयनीय है। वे अपनी भूख मिटाने के लिए कभी अपने हाथ से अपने पेट को सहलाते हैं तो कभी अपने भूख से सूखे होठों से भिक्षा मांगकर लोगों के सामने झोली फैलाते हैं।
3- चाट रहे हैं जूठी पत्तल वे कभी सड़क पर खड़े हुए,
और झपट लेने को उनसे कुत्ते भी हैं अड़े हुए।
ठहरो, अहा! मेरे हृदय में है अमृत, मैं सींच दूंगा,
अभिमन्यु जैसे हो सकोगे तुम,
तुम्हारे दुःख में अपने में खींच लूंगा।
दो टूक कलेजे के करता,
पछताता पथ पर आता।
4- कोई नहीं, कुत्ते, आंसू
5- दाने, झोली, ओंठ, कलेजा
दाने, झोली, ओंठ, कलेजा
6- (क)साथ दो बच्चे भी हैं सदा हाथ फैलाए बाएँ से वे मलते हुए पेट को चलते। और दाहिने दया-दृष्टि पाने की ओर बढ़ाएं भूख से सूख ओंठ जब जाते। दाता भाग्य-विधाता से क्या पाते? घूँट आँसुओं के पीकर रह जाते।
दो टूक कलेजे के करता।
पछताता पथ पर आता।

(ख)पेट पीठ दोनों मिलकर हैं एक,
चल रहा लकुटिया टेक।
मुट्ठी भर दाने को, भूख मिटाने को,
मुँह फटी पुरानी झोली को फैलाता।
दो टूक कलेजे के करता,----------
पछताता पथ पर आता।

7- Do it yourself
8- भिक्षुक, ओष्ठ, मक्षिका, नाम
9- पत्तल, हृदय, मुट्ठी, आंसू
10- (क)कृपा रखना यदि आपकी दया दृष्टि हम पर यूं ही बनी रहेगी तो आगे भी सब अच्छा होगा।
(ख)सर्वशक्तिमान कर्म ही सभी का भाग्य विधाता होता है।
(ग)दिल विनोबा जी की जीवनी पढ़कर उसका हृदय परिवर्तन हो गया।
(घ) छोटा डंडा वह बुजुर्ग अपनी छोटी लकुटिया के सहारे चलता था।
11- पड़ख, तुरन्त, कुण्ठा, कन्धा
12- (क) समाजिक (ख) सेवा (ग) सुंदरता
13- Do it yourself 14.Do it yourself 15.Do it yourself

Ch-11(मास्टर जी (एकांकी))

1- (क) मास्टर जी द्वारा उद्योग किसे कहते हैं? सवाल पूछने पर मधुसूदन ने केंचुआ का उदाहरण दिया था।
(ख) प्रस्तुत पाठ में इतिहास के सिराजुद्दौला पात्र को लेकर चर्चा की गई।
(ग) एकांकी के अंतर्गत व्याकरण के कुछ सवालों का उल्लेख किया गया जैसे कर्ता क्या है ? और षष्टी तत्पुरुष किसे कहते हैं?
(घ) प्रस्तुत एकांकी 'मास्टर जी' गुरुदेव रविंद्र नाथ टैगोर द्वारा रचित है।
2- (क)मास्टर जी द्वारा पिटाई होने के कारण मधुसूदन प्रश्नों के गलत उत्तर देकर उनसे बदला लेना चाहता था।
(ख) मथुरानंद द्वारा जब मधुसूदन के लिए यह वाक्य कहे जाने पर कि "मार खाए बिना तुम्हारी अकल के दरवाजे नहीं खुलते हैं" यहां सुनने के बाद अजय बाबू मथुरानंद से अपनी तशरीफ ले जाने को कहते हैं।
(ग) एकांकी के अंत में मधुसूदन जी कहते हैं कि "जान बची, साहब इस लड़कियों को पढ़ाना तो मजदूर जैसा काम है, सोलह आने मैन्युअल लेबर। 30 दिन एक लड़के को पीट कर सिर्फ 5 रूपए मिलते है। उतनी ही मेहनत से कहीं छत वत पीटू तो कम से कम 10रूपए तो मिल जाएंगे।"
(घ) अजय बाबू के द्वारा क्रोधित होने पर मथुरानंद मधुसूदन को डांटते हुए कहता है कि "मार खाए बिना तुम्हारी अक्ल के दरवाजे नहीं खुलते।"
3- एकांकी, मथुरानंद, मधुसूदन, हड्डियां, मारपीट
4- (क)अजय बाबू कहते हैं मधुसुदन से (ख)अजय बाबू कहते हैं मधुसुदन से
(ख) मधुसूदन कहता है अजय बाबू से (घ) मथुरानंद कहता है मधुसुदन को
5- मथुरानंद, कितना होशियार, मधुसुदन के पिता, मधुसुदन
6- Do it yourself
7- (क)मैं भी तो देखूं कि वह पढ़ने में कितना होशियार है।
(ख)मिट्टी से ही पेड़ पौधों को पोषण मिलता है। (ग)बच्चों तुम्हें अंकगणित आती हैं?
(घ)मैं तो ख्वामख़्वाह ही तुमको डांट रहा था। (ड़)वो देखो भक्तो का टोला चला आ रहा है।
8- तेल, घड़ा, पत्थर, अचरज, पत्ता, सौ, मूर्ख, आंख, सुन्न, खेत
9- Do it yourself 10. Do it yourself 11. Do it yourself

Ch-12(हिरोशिमा की आग (सत्यकथा कहानी))

1- (क) हिरोशिमा नागासाकी से पहले टोक्यो, ओसाका और नगायो पर हमारी हमले हो चुके थे।

(ख) हिरोशिमा पर B29 एटम बम गिराया गया था।

(ग) लिटिल बाय नामक परमाणु बम हिरोशिमा पर 6 अगस्त 1945 को सुबह 8:15 पर गिराया गया था।

(घ) नागासाकी पर 9 अगस्त 1945 के दिन एटम बम गिराया गया था।

2- (क) हिरोशिमा में हर कोई बमबारी से बचने के लिए खास प्रकार के कवच और हेलमेट पहनते थे।

(ख) बमबारी से बचने के लिए हिरोशिमा के लोग जितनी संभव हो सकते तैयारियां करते थे। आग न पहले उसके लिए पुरानी इमारतों को गिरा दिया था। सड़कों को भी चौड़ा कर दिया था। जगह-जगह पर आग को बुझाने के लिए पानी का प्रबंध कर दिया था।

(ग) प्रत्येक वर्ष 6 अगस्त के दिन हिरोशिमा के लोग एटम बम से मरने वालों के नामों को कागज की लालटेन पर लिखते हैं इन लालटेनों को जलाकर हिरोशिमा में बहने वाली सात नदियों में छोड़ा जाता है। धीरे-धीरे ये नदियां अपने साथ मरने वालों की याद में बनी लालटेनें लेकर समुद्र में विलीन हो जाती हैं।

(घ) उस दिन जापान के हिरोशिमा शहर का आसमान नीला और साफ था सूरज चमक रहा था। हिरोशिमा की सातो नदिया धीरे-धीरे बहराइच में गर्मी का मौसम था और सूरज की किरणें पानी की सतह पर थिरक रही थी।

3- (क)× (ख)× (ग) ✓ (घ) ✓

4- इंद्रधनुष,शकरकंदियाँ, प्रलयकारी, पलायन

5- शकरकंदियाँ, माई के पिता, 9 अगस्त 1945

6- लिटिल बाय काला स्याह काली और चिपचिपी किरणे

7- 9 अगस्त 1945 नागासाकी के लिए एक प्रलयकारी दिन था।

- हर व्यक्ति वहां से सुरक्षित निकलने का प्रयास कर रहा था।
- सभी लोग नदी की तरफ पलायन कर रहे थे।
- मानवता का संघार जापान में देखने को मिला।
- सारा का सारा शहर मौत की गोद में विलीन हो चुका था।
- आसमान पर कालिक छा गई थी।
- अचानक सुबह आसमान में इंद्रधनुष की किरणें दिखाई दी।
- हर तरफ सन्नाटा छाया हुआ था।
- अमेरिका ने जापान पर विस्फोटक एटम बम गिराए थे।
- एटम बम का इस्तेमाल करके जापान के 2 शहरों को तबाह कर दिया गया था।

8- Do it yourself 9.Do it yourself 10.Do it yourself 11.Do it yourself

12- सु+ रक्षित बम+ बारी प्र+ भाव एक+ दम

13- शकरकंदियाँ तैयारियाँ मुंह इंडोनेशिया प्रबंध
गांव पौंधा इंद्रधनुष

14- गर्मी, प्रकार, प्रलय, प्रार्थना

15- त्+ अ+ न्+ आ+ व्+ अ वि+इ+ ल+ आ+ त+ ए
र्+ए+ड्+इ+य्+ओ+ध+अ+र+म+ई च+इ+प+च+इ+प+आ

16- Do it yourself 17.Do it yourself 18.Do it yourself

Ch-13('बाघा जतिन' (जीवनी))

1- (क) यतींद्रनाथ मुखर्जी को बाघा जतिन के नाम से उद्घोषित किया जाता था।

(ख) गांव को बाग से मुक्त कराने के लिए यतींद्र नाथ एक लम्बा चाकू हाथ में लेकर बाघ से लड़ने के लिए निकल पड़े और लड़ाई के अंत में बाघ को अपनी जान से हाथ धोना पड़ा।

(ग) बाघा जतिन का जन्म 8 दिसंबर 1879 में हुआ।
(घ) 1905 मे बंग भंग आंदोलन हुआ था।
(ड़) यतींद्रनाथ मुखर्जी की मृत्यु 10 सितंबर 1915 में हुई थी।

2- (क) यतीन्द्र नाथ जी का हृदय देशभक्ति की भावना से भरा हुआ था। यही कारण था कि वहां विदेशी सरकार की नौकरी को स्वीकार किया ताकि उसी महकमे में रहकर वह अपने देश के प्रति होने वाले क्रांतिकारी गतिविधियों में हिस्सा ले सकें।
(ख) यतीन्द्र नाथ मुखर्जी बंकिमचंद्र द्वारा रचित उपन्यास आनंदमठ से बहुत प्रभावित थे। इसके अलावा विवेकानंद तथा सन्यासी भोलानाथजी का भी अधिक प्रभाव पड़ा।
(ग) यतींद्रनाथ द्वारा कई क्रांतिकारी गतिविधियों को अंजाम दिया गया है। सबसे पहले उन्होंने छोटे-छोटे दलों को मिलाकर एक 'युगांतर पार्टी' का को सुदृढ़ किया जिसके अंतर्गत क्रांतिकारी गतिविधियों को बढ़ावा दिया जाता था। उन्होंने कई बार अंग्रेजी पुलिस दल को धूल चटाई है।
(घ) यतींद्रनाथ ने जब देखा कि एक बग्गी में कुछ भारतीय महिलाएं बैठी हैं और उस बग्गी की छत पर बैठे अंग्रेज नीचे पर लटका कर महिलाओं के साथ अभद्रता कर रहे हैं। यह दृश्य देखकर यतीन्द्रनाथ अपने आप को नहीं रोक सके और उन्होंने अंग्रेजों को मुंह के बल धरती पर गिरा दिया।
(ड़) जतिन के अलावा उनके अन्य 4 साथी क्रांतिकारी युवकों की पुलिस से मुठभेड़ हुई। जिनके नाम हैं चित्तप्रिय, मनोरंजन, नरेन और ज्योतिष।

3- स्वभाव राजसत्ता, हीनता अंग्रेजों आनंदमठ मृत्यु

Ch-11(मास्टर जी (एकांकी))

1- (क) मास्टर जी द्वारा उद्योग किसे कहते हैं? सवाल पूछने पर मधुसूदन ने केंचुआ का उदाहरण दिया था।
(ख) प्रस्तुत पाठ में इतिहास के सिराजुद्दौला पात्र को लेकर चर्चा की गई।
(ग) एकांकी के अंतर्गत व्याकरण के कुछ सवालों का उल्लेख किया गया जैसे कर्ता क्या है? और षष्टी तत्पुरुष किसे कहते हैं?

4- बाघ को मारने के कारण कोया अंग्रेज सरकार
4 75मिनट

5- (क) ✓ (ख) ✓ (ग)× (घ) ✓ (ड़)×

6- स्वामी विवेकानंद की अनुयायी
आनंदमठ
1905
फांसी की सज़ा
पत्रिका

7- Do it yourself

8-

लाभदायक	बीच का	उपाय	अच्छा	विश्वास
यद्यपि	झंडा	उलझन		

9-

पारिश्रमिक	स्वाभाविक	मधुर	वार्षिक	अनिवार्य
साहित्यिक	मोटा	विरोधी	क्रांति	धनवान

10-

ग्रामीण	अव्यवस्थित	प्राकृतिक	कृत्रिम	समस्या
हैवानियत	सहाय	नृशंसता	अविश्वास	स्वीकार

11- य + अ + त + ई + ं द्र - द + न + आ + थ ल + अ + ज् + जि + त + इ
स + अ + र् + वो + च् + च + उ + अ क् + र् + आ + न् + त् + ई + क् + आ + र् + ई
गा + अ + र्ड न - र्ड + न + र + ईज

12- राम बहुत ही निर्भीक बच्चा है।
जब देश आजाद नहीं हुआ था तब अंग्रेज भारतीयों के प्रति हीनता की भावना रखते थे।
राजा की बग्गी कितनी सुंदर है।
भारतीय दर्शनीय स्थलों का आकर्षक दिखना स्वभाविक है।
चंद्रशेखर आजाद जी की मृत्यु का कारण एक मुखबिर था।

13.- Do it yourself 14.Do it yourself 15.Do it yourself

Ch-14(भारत की सांस्कृतिक एकता (निबंध))

1- (क) भाषा, जाति, धर्म, रितिरिवाज आदि के आधार पर भारत देश के टुकड़े किए गए।
(ख) देश की नदियां हमारी भूमि को उर्वरा व श्यामला बनाती हैं।
(ग) राज्य की स्थापना के लिए अश्वमेध, राजसूय यज्ञ किए जाते हैं।
(घ) धर्म और संस्कृति मनुष्य के हृदय के अधिक निकट हैं।

2- (क)किसी भी देश की संस्कृति, उस देश में निवास करने वाले सामान्य जन के रहन-सहन, आचार-विचार, खान-पान, वस्त्र-आभूषण, नृत्य-गीत-संगीत, जन्म, विवाह, मृत्यु आदि संस्कारों से निर्मित होती है।
(ख)संसार में जितने भी प्राणी हैं उनमें मनुष्य को ही सर्वश्रेष्ठ माना जाता है, क्योंकि मनुष्य अपने बाहुल्य और उनके समायोजन के कारण जीव धारियों में सबसे अधिक विकसित व श्रेष्ठ में गिना जाता है।
(ग) प्राकृतिक विभाजन रेखाएं तथा भाषाओं, धर्मो, रीति-रिवाजों के भेद के आधार पर हमारे राष्ट्रीयता के विचार खंडित हो गए। जिस कारण हमारा भारत देश न रहकर एक उपमहाद्वीप बन गया।
(घ) उत्तर भारत की प्राया सभी भाषाएं संस्कृत से निकली है और उन सभी के शब्दों में पारिवारिक समानता है।

3- सामंजस्य, अस्तित्व, संस्कृत, भाषा

4- (क) ✓ (ख) ✓ (ग) ✓ (घ) ✓

5- Do it yourself 6. Do it yourself 7. Do it yourself

8- राष्ट्रीय, जातीय, संपन्नता, श्रेष्ठता

9- (क)यानी तुम फिर से परीक्षा में पास नहीं हुए।
(ख)काश मैं तुम्हारी कोई मदद कर सकता, परंतु मेरे ऊपर घर की बहुत जिम्मेदारियां हैं।
(ग)इस फल को जल्दी खाकर खत्म करे अन्यथा यह खराब हो जायेगा।
(घ)मैं और राम अच्छे मित्र है।

10- अरे! चहुंओर और कितनी गंदगी फैली है। सुनो! आगे रेलवे फाटक है।
हाय! तूने यह क्या कर डाला। अरे! अल्लाह से तो डरो।+

11- (क)मेरे आंगन में घास है।
मेरे आंगन में हरी घास है मेरे आंगन में हरी घास है, जिसपर बच्चे खेल रहें हैं।
(ख)बादल गरज रहें थे।
बादल गरज रहे थे और वर्षा तेज होने लगी। बादल गरज रहे थे, जिससे वर्षा तेज होने लगी।

12- Do it yourself 13. Do it yourself 14. Do it yourself

Ch-15(हिंद महासागर मोती 'मॉरीशस' (यात्रा वृतांत))

1- (क) लेखक हवाई अड्डे से बाहर निकलते ही एक नया परिदृश्य देखता है। चारों ओर फैला विस्तृत भूखंड, खूबसूरत, सड़कें और छोटे-छोटे पंक्तिबद्ध वृक्ष आदि लेखक को अपनी ओर आकर्षित करते हैं।
(ख) लेखक ने मॉरीशस में आम, गूलर, पाकड़, पीपल, नीम, गुलमोहर आदि के वृक्ष देखें।
(ग) मॉरीशस की 90% से जमीन पर गन्ना ही बोया जाता है यहां उनकी आय का साधन है जिस कारण और लेखक ने अपने यात्रा वृतांत में इसका उल्लेख बार-बार किया है।
(घ) मॉरीशस में सबसे ज्यादा खेती गन्ने की होती हैं।
(ड़) मॉरीशस का समुद्र तट बहुत ही सुंदर हैं उनका सफेद भालू तथा नीला काला और हरा रंग जल पर्यटकों को आकर्षित करता है।

2- (क) मॉरीशस में 1 एकड़ में लगभग 40 टन गन्ना पैदा होता है और यहां के 90% जमीन पर सिर्फ गन्ना ही बोया जाता है जो कि यहां की आमदनी का मुख्य स्त्रोत है।
(ख) मॉरीशस अपने आप में एक सुंदर रूप है जिसके चारों और वनस्पतियां हैं तथा यह पानी से घिरा हुआ है जिस कारण इसे हिंद महासागर का मोती कहा जाता है।
(ग) मॉरीशस में मौसम दो ही प्रकार का होता है; नवंबर से अप्रैल तक गर्मी और मई से अक्टूबर तक सर्दी।

(घ)मॉरीशस गणराज्य,अफ्रीकी महाद्वीप के तट के दक्षिणपूर्व में लगभग 900 किलोमीटर की दूरी पर हिंद महासागर में और मेडागास्कर के पूर्व में स्थित एक द्वीपीय देश है।

(ड़) मॉरीशस में थोड़ी-थोड़ी दूर पर ट्रैफिक कंट्रोल करने वाली बत्तियां, पैदल चलने के लिए फुटपाथ भी है, जो सड़क के अनिवार्य हैं। यहां कोई हॉर्न नहीं बजाता और यहां पर शोर भी काम रहता है।

3- 720 वर्गमील ब्लू ऑर्किड पोर्टलुई मई से अक्टूबर

4- हॉर्न तैरते सौदा,मनोरम दबाव गन्ने

5- मॉरीशस गन्ना मॉरीशस सौंदर्य डच और फ्रेंच लोग

6- (क) ✓ (ख) ✓ (ग) ✓ (घ) ✓

7- आज के समय पर पिता की संपत्ति पर बेटी का पूरा अधिकार होता है।
मॉरीशस का क्षेत्रफल 720 वर्ग मील है।
भारत में कई ऐसी संस्थाएं हैं जो बुजुर्गों की मदद करते हैं।
भारत में न्यूनतम तापमान 25 डिग्री सेल्सियस चल रहा है।
भारत का निकटतम पड़ोसी देश पाकिस्तान है।

8- Do it yourself 9. Do it yourself

10- आशीर्वाद श्रृंखला दुर्गति अंतरराष्ट्रीय

11- दयालुता विकर्षण असहज मूर्ख सुगम

12- बहुत अधिक खुश होना, बहुत दिनों बाद अपनी बेटियों को देखा आज तो मेरा अंग-अंग मुस्का रहा है।
बहुत कष्ट आ पड़ना, केदारनाथ की बर्फ में 15 किलोमीटर पैदल चलने से तो मुझे छठी का दूध याद आ गया।
अत्यधिक लाभ होना, रमेश ने नया बिजनेस क्या शुरू कर दिया उसकी तो अब पांचों उंगलियां घी में हैं।
बहुत दिनों बाद देखना, तुम्हारी शादी क्या हो गई तुम तो ईद का चांद हो गए।

13- मेरे द्वारा वह दृश्य नहीं देखा गया। माली द्वारा फूलों का गुलदस्ता बनाया गया।
मां द्वारा पुत्र को पत्र लिखा गया। सुरेश द्वारा फिल्म देखी गई।
यह किताब हमारे द्वारा पढ़ी गई।

14- Do it yourself 15. Do it yourself 16. Do it yourself 17. Do it yourself

(अभ्यास प्रश्न पत्र -1)

1- (क) पुस्तकों की लेनदेन और पुस्तकालय की देखभाल के लिए एक लाइब्रेरियन नियुक्त किया जाता है।

(ख)बाजार में काले धन के प्रसार को रोकने के लिए, बाजार से नकली नोट हटाने के लिए, महंगाई वह आतंकवादी गतिविधियों पर नियंत्रण आज के लिए विमुद्रीकरण का उपयोग किया जाता है।

(ग)रामलाल के अनुसार उसकी सही दौलत उसका पुत्र हेमराज था।

(घ) सुश्रुत संहिता में भिन्न प्रकार की बीमारियों जैसे पथरी, मोतियाबिंद, दंत चिकित्सा तथा शल्य क्रिया द्वारा शिशु-जन्म की विधियों का भी वर्णन किया गया है।

(ड़)अब्दुल कलाम ने 2002 से 2007 तक भारत गणराज्य के राष्ट्रपति के रूप में कार्य किया। राष्ट्रपति के रूप में, कलाम ने राष्ट्रीय परमाणु हथियार कार्यक्रम की उन्नति को बढ़ावा दिया।

2- प्रस्तुत कविता में कवि कहता है कि आजादी की इस स्फूर्ति भरी सुबह में सब खुश हैं। डालियों पर बैठे हुए पक्षी भी गीत गा रहे हैं। लगता है जैसे उन्हें भी नया स्वर मिला है। बाग में चारों ओर भौंरों का गुंजारव सुनाई पड़ता है।

3- (क)× (ख) ✓ (ग) ✓ (घ) ✓ (ड़) ✓

4- पुस्तकालय में सारी किताबों का संग्रह होता है। दीपावली हिंदुओं का पावन त्यौहार है।
वह भारत मां का सच्चा सपूत है। हेमराज लाजवंती का इकलौता पुत्र हैं।
दुर्गादास एक अनुभवी वैद्य थे।

5- कर्मधारय समास चरण कमल - कमल के समान चरण
घनश्याम - घर के समान श्याम नीलगाय - नीली है जो गाय
भुजदंड - दंड के समान भुजा कनकलता - कनक के समान लता
बहुव्रीहि समास
विषधर - विष को धारण करने वाला - सांप पशुपति -पशुओं का पति- शिव
नीलकंठ - नीला है कंठ जिनका- शिव
पंचवटी- पांच वटो का समूह वाला स्थान - मध्यप्रदेश के अधिकतर स्थान
दसमुख - दस है मुख्य जिसके- रावण
अव्ययीभाव समास
प्रतिदिन- दिन दिन आजन्म- जन्म से लेकर यथाशक्ति- शक्ति के अनुसार
भरपेट पेट- भरकर प्रतिमास -प्रत्येक मास

6- अंशु, रश्मि, प्रभा किताब, पोथी, ग्रंथ प्रयोग, सेवन, उपयोग
बेटा, पूत, लड़का हस्त, कर, पाणि

7- खिलाता है डालता है पिलाती है

(अभ्यास प्रश्न पत्र -2)

1- (क) राजा शांतनु हस्तिनापुर नरेश थे। शांतनु पितामह भीष्म के पिता एवं पांडवों, कौरवों के परदादा थे।
(ख)गांधी जी ने विनोबा भावे की निष्ठा, समर्पण और उनके आध्यात्मिक संदेश की प्रशंसा की है। वे उन्हें एक निष्ठावान समाज सुधारक के रूप में समझते थे।
(ग) गुरुदेव रवींद्रनाथ टैगोर द्वारा रचित मास्टर जी एकांकी से यह पता चलता है, कि बच्चों की पिटाई कर क्यों नहीं पढ़ाना सही नहीं होता है इससे उनकी मानसिकता पर गहरा प्रभाव पड़ता है उसकी जगह उन्हें धैर्य के साथ और सूझबूझ से पढ़ना चाहिए।
(घ) अमेरिका ने जापान पर 6 अगस्त 1945 के दिन हिरोशिमा पर तथा 9 अगस्त 1945 के दिन नागासाकी पर परमाणु बम गिराया था।
(ड़) यतीन्द्रनाथ ने अपनी बचपन की उम्र में खूंखार बाघ को अपने साहस के बल पर मार गिराया था। जिस कारण उनका नाम 'बाघा जतिन' के नाम से प्रसिद्ध हो गया था।

2- भावार्थ
कवि कहता है कि कभी-कभी भिक्षुक सड़क पर खड़े रहकर जूठी पत्तलें चाटते हुए भी दिखाई देते हैं, किन्तु उन पत्तलों को झपट लेने के लिए कुत्ते भी अड़े रहते है। उस स्थिति को देखकर कवि करुणा और संवेदना से भर जाता है। इसलिए वह कहता है कि मैं अपने हृदय का सारा अमृत निकालकर इसके सूखे होठों को सरस कर दूँगा और जीवन-शक्ति देकर इसकी भूख शान्त कर दूँगा। कवि कहते हैं कि व्यक्ति यदि संघर्ष करे, तो दृढ़ सकंल्प करके वह जीवन के कष्टों को मिटाकर अपने लिए नया पथ बना सकता है, वह अभिमन्यु की भाँति अकेले ही सारी बाधाओं को झेल सकता है। अन्त में कवि भावुक होकर कहता है कि वह ऐसे भिक्षुकों के दुःखों को खींचकर अपने हृदय में रखना चाहता है और अपने हृदय की सारी

3- मॉरीशस वास्को डी गामा फिनलैंड वेल्स

4- मुमुक्षु उर्वरा जन्मांध सहिष्णु

5- ता ला आवा आर कार इक

6- वाह! कितना सुंदर दृश्य है। हम जल्दी आ जाते, परंतु ट्रेन लेट हो गई।
राम, लक्ष्मण, भरत और शत्रुघ्न भाई थे।
हमारे विद्यालय की स्थापना 14 मई 1999 को हुई थी।

7- संख्यावाचक विषेषण परिमाण वाचक विषेषण सार्वनामिक विषेषण
सार्वनामिक विषेषण परिमाणवाचक विषेषण